मोहयाल मित्र

श्री वैद्यनाथ धाम की यात्रा

कठुआ स्टेशन से 14.03.2016 को अपनी पत्नी और अपने मित्र तथा उसकी पत्नी सहित हिमगिरी एक्सप्रेस गाड़ी से जसीडीह जंक्सन (जारखड़) के लिए रवाना हुए। गाड़ी अपने निर्धारित समय 10 घंटे देरी से चल रही थी। अगले दिन दोपहर 2 बजे पटना पहुँचे और उससे आगे जंगल राज शुरू हो गया हर किलोमीटर के बाद गाड़ी की चैन खींचने का क्रम शुरू हो गया, पूछने पर पता चला कि विद्यार्थी परीक्षा देकर आ रहे हैं। जहां जिसका गाँव आता है चैन खींच कर उत्तर जाता है यह क्रम शाम के 6 बजे तक जारी रहा।

इस प्रकार शाम को 8 बजे जसीडीह जं. पर गाड़ी से उतरे जो कि 12 घंटे लेट थी। आटो से वैद्यनाथ धाम यानि देवधर पहुँचे। वहाँ होटल में ठहरे। सुबह एक पंडित श्री रविशंकर जी कमरे में आए और कहा कि हम को भगवान भोले नाथ जी के दर्शन कराने सुबह 9 बजे मंदिर ले गए। वहां पर उन्होंने एक और सहयोगी के साथ बड़ी विधिपूर्वक भगवान भोले नाथ और माता जी की पूजा अर्चना की तथा उनके दर्शन कराए।

वैद्यनाथ धाम भी बारह ज्योतिलिगों और 51 शक्ति पीठों में से एक हैं। यहाँ सती माता का ह्रदय गिरा था। इस प्रकार मंदिर के घेरे में एक तरफ भगवान शिव तो दूसरी और माता सती का मन्दिर है इसके अतिरिक्त मन्दिर के घेरे में और भी बहुत से छोटे–छोटे मन्दिर हैं।

श्री वैद्यनाथ शिवलिंग रावण द्वारा कैलाश पर्वत से लाया गया था। कहते हैं एक बार रावण ने कैलाश पर्वत पर जाकर शिवजी को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया, परन्तु शिवजी प्रसन्न न हुए, तब रावण ने अपने सिर काट कर शिवलिंग पर चढ़ाने प्रारंभ कर दिए। नौ सिर चढ़ा चुकने के बाद जब दसवां सिर काटने लगा तो शिवजी प्रकट हो गए और रावण को वर मांगने के लिए कहने लगे। इस पर रावण ने कहा कि मैं आपको अपनी लंका में ले जाना चाहता हूँ। भक्त वत्सल शंकर जी ने भक्त की इच्छा को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा तुम मेरे लिंग लंका ले जा सकते हो पर ध्यान रखना यदि तुम इस लिंग को बीच में कहीं धरती पर रख दोगे तो वहीं स्थिर हो जाएगा।

रावण शिवलिंग को लेकर अपनी लंका की ओर चला तो मार्ग में उसे लगुशंका लगी। उसने एक गोप को लिंग थमाया और स्वयं लगुशंका करने चला गया। गोप लिंग के भार को संभाल न सका और उसने धरती पर रख दिया, बस शिवजी वहाँ स्थित हो गए। रावण जब लौट आया तब फिर बहुत प्रयत्न करने के बाद भी शिवलिंग को ना उठा सका। अंत में निरूपाय होकर उस शिवलिंग पर अपने अंगूठे का निशान बना कर लंका लौट गया।

तत्पश्चात ब्रह्मा, विष्णो आदि देवताओं ने वहाँ आकर शिवलिंग का पूजन किया इस प्रकार सही ज्योतिलिंग श्री वैद्यनाथ धाम जी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। वैद्यनाथ धाम की महिमा का बख्यान करते हुए महर्षि नारद जी ने श्री हनुमान जी से कहा "यह वह धाम है जहाँ भगवान शिव पाप–पुण्य का विचार किए बिना सभी प्राणीयों को मोक्ष प्रदान करते हैं। यहाँ पर महाकाल और महाकाली भी वास करते हैं। यहां पर कल्याणकारक बटुक भैरव, भगवान सूर्यदेव और श्री गणेश जी की सत्ता है इस प्रकार यह धाम सभी धामों में श्रेष्ठ है। जो मनुष्य जैसी कामना लेकर यहाँ आता है, उसकी कामना अवश्य पूरी होती है।"

शाम को भगवान शिव की शींगार आरती होती है, जिसे देखने के लिए शाम को मन्दिर में गए। भगवान का शिंगार रूप देकर मन अति प्रसन्न हुआ।

17.03.2016 को श्री वैद्यनाथ धाम से पटना के लिए चल पड़े। शाम को पटना साहिब के मुख्य गुरूद्वारा में पहुँचे जहाँ पर गुरू गोविंद सिंह का जन्म हुआ था। वहाँ पर रहने के लिए कमरा लिया। शाम को गुरूद्वारे के दर्शन किए वहाँ की शोभा देखने लायक थी। रात को गुरूद्वारे के अन्दर ही लंगर ग्रहण किया।

दूसरे दिन मुख्य गुरूद्वारे से कुछ दूरी पर "बाल लीला गुरूद्वारा" देखने गए जहाँ पर श्री गुरू गोविन्द सिंह जी ने अपना बचपन गुजारा था। गुरूद्वारा अति सुन्दर है, इसकी शोभा देखने योग्य है, यहाँ पर हर समय चाय और भोजन का लंगर चलता है। गर्मी अधिक होने के कारण बाहर घुमने नहीं जा सके।

19.03.2016 को पटना साहिब स्टेशन से सुबह 7 बजे अर्चना एक्सप्रेस गाड़ी में बैठ गए और अगले दिन कठुआ वापस पहुँच

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गए। वापसी पर भी गाड़ी 5 घंटें लेट थी। इससे पूर्व लेखक भगवान शिव की कृपा से 11 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर चुके हैं। श्री वैद्यनाथ धाम 12 ज्योतिर्लिंग है। भगवान भोले नाथ जी सबकी मनोकामना पूर्ण करें और हमारी मोहयाल सभा तथा जनरल मोहयाल सभा को तरक्की दें। धन्यवाद!

सरदारी लाल दत्ता, *सेक्रेटरी मोहयाल सभा कठुआ, जम्मू*

यादगार हरिद्वार कुम्भ मेला

कुछ जिन्दगी के पल यादगार बन जाते हैं। कुम्भ के मेले 19–20 फरवरी मोहयाल आश्रम में श्री ओ.पी. मोहन और श्री

एस.एन. दत्ता जी से भेंट हुई। ईश्वर दोनों को लम्बी आयु प्रदान करें। मेरे साथ उनकी एक यादगार फोटो जो भविष्य में आशा रखता हूँ। ऐसे शुभ अवसर बार–बार आते रहें अपने मोहयाल भाईयों से मिलने का।–***सी.पी. दत्ता***

स्मृति के विवाह पर बधाई

स्मृति भीमवाल सुपुत्री श्रीमती रेणू व श्री रविकान्त भीमवाल एवम् पौत्री स्वर्गीय श्री जगदीश चन्द्र जी भीमवाल व श्रीमती कमला का विवाह **श्री अमित दत्ता** सुपुत्र श्रीमती इन्दु दत्ता तथा श्री ओम प्रकाश दत्ता जी लंदन निवासी के साथ 28 नवंबर 2015 को सूरज कुण्ड रोड, फरीदाबाद में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा परिवार के लोग उपस्थित थे। श्री रविकान्त भीमवाल जी अबोहर (पंजाब) के निवासी हैं। तथा उन्होंने इस खुशी के मौके पर स्थानीय बिरादरी व रिश्तेदारों के लिए 22 नवम्बर को अबोहर में भी खाने का आयोजन किया था, जिसमें भी सभी लोगों द्वारा परिवार को मुबारक दी गई।

खुशी के इस मौके पर दादी माँ श्रीमती कमला भीमवाल जी ने 1100 रुपए की राशि जी.एम.एस के एजूकेशन फण्ड में दान स्वरूप दी।–*मैहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे दादाजी)*

शादी की सालगिरह

दिनांक 11 मई 1968 को शादी की सालगिरह के मौके पर श्रीमती सुशीला बाली एवं श्री श्रीकृष्ण बाली (9899993045) ने अपने माता–पिता के एजूकेशन ट्रस्ट **(श्री पृथ्वीराज बाली एवम् श्रीमती राजदुलारी बाली)** में 5100 रुपए भेंट किए हैं।

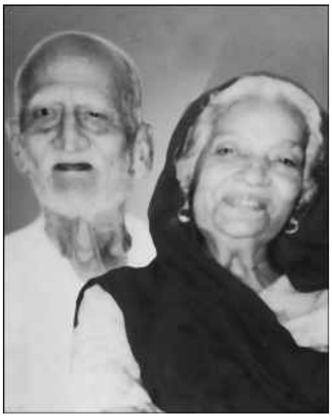

श्री कृष्ण बाली, *आर.टी–219, रायल टावर शिप्रा सनसिटी, इन्दिरापुरम, गाजियागाद (मो.) 9899787255*

जीवन का समझ लो सार-व्यसन से करो न प्यार

क्या आप छिपकली, तेजाब, सांप जैसी गंदी जहरीली व दिल जलाने वाली चीजें खाना पसंद करते हो? यदि नहीं, तो गुटखा, पान मसाला आदि को क्यों खाते हो।

अनुसंधान से पता चला है कि हमारे देश में कैंसर रोगियों की संख्या का एक तिहाई भाग तंबाकू तथा गुटखा खाने वाले लोगों का है। गुटखा खाने वाले व्यक्ति की सांसों से गंदी बदबू आने लगती है तथा चूने के अधिक प्रयोग से मसूड़े फूलने लग जाते हैं। दांतों में पायरिया रोग हो जाता है। इनके खाने से हृदय रोग ब्लड प्रेशर हाई, आँखों का रोग तथा टी.वी. जैसे रोग हो जाते हैं।

जब हम इन्हें खााना शुरू करते हैं तो ये व्यक्ति के विवेक को छीन लेते हैं। बाद में अपना गुलाम बना लेते हैं। अंत में व्यक्ति को कमजोर करके मौत के किनारे पहुँचा देते हैं। जब जीवन के अंतिम क्षणों में व्यक्ति को अपनी भूलों की याद आती है तब तक बहुत ज्यादा देर हो चुकी होती है।

मोहयाल भाईयों मैनें विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) पर पत्रकार वार्ता के दौरान डाक्टर से सुनी कुछ बातें अपने विवेक से लिख रहा हूँ। मेरा तो इन चीजों का सेवन करने वालों से अनुरोध है गुटखा, पान मसाला को खाए बिना इस मनुष्य जीवन को परोपकार, सेवा, सयंम, साधना द्वारा सफल बनाओ।

जय मोहयाल

बख्शी रवि दत्त, *पत्रकार, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 3 अप्रैल 2016 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन में संपन्न हुई, जिसमें लगभग 40 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरांत रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने सभी को बताया कि 20 मार्च को जीएमएस द्वारा नई दिल्ली में रिश्ते नाते का मेला आयोजित किया गया था, जो भाई–बहन किसी कारणवश वहाँ नहीं जा सके, वे श्री बलराम दत्ता जी से वहाँ से आई लिस्टें प्राप्त कर सकते है। साथ ही उन्होंने, सभी से अनुरोध किया कि अगर मोहयाल मित्र या रिश्ते नाते मेले से किसी का रिश्ता तय होता है, तो इसकी सूचना अवश्य दे, जिससे इस कार्य में लगी 'रिश्ते–नाते कमेटी' का मनोबल बढ़ सके।

श्री नागेन्द्र दत्ता जी ने नई डायरेक्टरी प्रकाशित करवाने के लिए एक फार्म का ड्राफ्ट बनाया, जिससे एक फार्म से ही पूरे परिवार की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। सभी ने उसकी सराहना की। श्री राजेन्द्र मेहता जी ने भ्रामणी प्राणायाम को सही से करने का तरीका व उसे करने के फायदें आदि के बारे में जानकारी दी।

श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि 21 मार्च को श्री ओ.पी. मोहन जी की धर्मपत्नी श्रीमती शकुतंला मोहन जी ने अपना 91वाँ जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने व फरीदाबाद के सभी मोहयालों की ओर से श्रीमती शकुतंला मोहन जी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी। श्रीमती बाला बाली जी व श्रीमती मनु वैद ने गीत गाकर जन्मदिन की बधाई दी व उनकी दीर्घ आयु की कामना की। नवरात्र के अवसर पर माता रानी की भेंटें भी गाईं।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की– श्री ओ.पी. मोहन जी ने श्रीमती मोहन जी के जन्मदिन के अवसर पर रुपए 1000, श्री आर.सी. दत्ता जी ने विधवा फंड में 500 रु. व श्री विनय बक्शी जी ने अपने जन्मदिन जोकि 24 अप्रैल को है, के अवसर पर 100 रुपए भेंट किए।

श्री ओ.पी. मोहन जी द्वारा शानदान भोजन की व्यवस्था की गई थी। श्री रमेश दत्ता जी ने सभी की ओर से श्री मोहन जी का धन्यवाद किया। अगली मीटिंग 1 मई को भवन पर होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो.: 9212557095

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899077041

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक 9.03.2016 को श्रीमती सुनीता दत्ता के निवास स्थान पर गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, श्रीमती कमला दत्ता जी ने सभा की अध्यक्षता की, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। सभा में सबसे पहले दो मिनट का मौन रखा गया और मोहयाल रत्न श्री एस.के. छिब्बर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। स्व. श्री एस.के. छिब्बर आई.ए.एस 24 फरवरी 2016 को प्रभु के चरणों में लीन हो गए, उनके जाने से मोहयाल बिरादरी को गहरा सदमा लगा। उन्होंने आजीवन मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य किया, उनकी कमी हमेशा बिरादरी को रहेगी, उन्होंने बिरादरी के लिए सराहनीय कार्य किए, जिसके लिए शब्द भी कम है।

सभा में सभी बहनों ने श्री अशोक लव जी को सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। स्त्री सभा की सभी बहनों ने श्री बंदना वैद (सचिव जीएमएस) को भी यमुनानगर आने पर बधाई दी।

श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती रेणु छिब्बर, श्रीमती वीना वैद, श्रीमती विजय लक्ष्मी और श्रीमती सुनिता दत्ता ने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

■ स्त्री सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती भगीरथी बाली के निवास स्थान पर 6.4.2016 को हुई, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, कार्यवाही गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई।

सभी बहनों ने 20.03.2016 को रिश्ते–नाते की सराहना की उस पर विचार विर्मश भी किया गया। रायज़ादा बी.डी. बाली जी और जीएमएस के सभी सदस्यों द्वारा किए गए आयोजन को सराहा गया।

श्रीमती सुनीता दत्ता, प्रेम दत्ता, और श्रीमती बाला मेहता जी ने जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता देने के लिए विचार किया। श्रीमती सुरक्षा मेहता और श्रीमती सूरज वैद ने अपने विचार रखे। श्रीमती निशा मोहन जी ने 500 रुपए स्त्री सभा यमुनानगर को दान में दिए, भगवान उनकी दीर्घायु करे।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सहारनपुर

मोहयाल सभा सहारनपुर की मासिक बैठक 28 फरवरी भाजपा के वरिष्ठ नेता धर्मेन्द्र मेहता के निवास 22 मक्खन कालोनी प्रधान अनिल बख्शी 'भोली' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें 16 भाई–बहिनों ने भाग लिया।

बैठक की विधिवत शुरुआत मोहयाल प्रार्थना से हुई। अनिल भोली ने हमेशा की तरह मोहयालों को संगठित करने पर बल दिया उन्होंने कहा सभा के सभी सदस्य प्रत्येक मोहयाल की जानकारी रखे व उनके सुख दुख में शामिल हो।

धर्मेन्द्र मेहता ने विचार रखते हुए कहा हमें अपने बुर्जगों से प्रेरणा लेकर अपनी सभा को मजबूत करना चाहिए।

राजेश बाली ने जानकारी देते हुए बताया सभा के दो कमरों में टाइले लग गई है व ऊपर वाले हॉल में पँखे भी लग चुके हैं, सभी ने अनिल भोली को बधाई दी।

रवि बख्शी ने कहा आगामी बैठक मोहयाल भवन में होली पर्व के अवसर पर हास्य गोष्ठी के रूप में रखी जाए, जिससे सभी ने स्वागत किया। मनोज बाली व मुकेश दत्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई।

अन्त में गायत्री मंत्र के साथ सभा सम्पन्न हुई। शुभम मेहता व धर्मेन्द्र मेहता का जलपान के लिए धन्यवाद दिया।

■ सहारनपुर 27 मार्च की बैठक विगत दिनों पंजाबी बाग स्थित मोहयाल भवन में होली के रंग–हास्य के संग गोष्ठी के रूप में हंसी के फुहारों के साथ रखी गई। मोहयाल प्रार्थना के साथ गोष्ठी आरम्भ हुई। अनिल बख्शी प्रधान ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा मुस्कान की कोई कीमत नहीं होती। क्योंकि यह एक ऐसी चीज है घर में खुशहाली लाती है। जीवन की भाग दौड़ में थक कर जो नहीं मुस्करा सकते उन्हें अपनी मुस्कान दीजिए।

राकेश दत्ता व राघव दत्ता ने सभी मोहयालों को हँसी के गोल गप्पे खिलाए जिसका स्वाद देर तक सभी के चेहरों पर रहा। राजेश बाली व पवन दत्ता ने भी मजेदार चुटकले सुनाकर सभी को लोट पोट किया।

पत्रकार रवि बख्शी ने अपने संचालन में खूब हंसी के गुब्बारे फेंक कर देर शाम तक गुदगदाया। सभी ने जय मोहयाल के जय घोष के बीच में बधाई दी। मोहयाल बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की सभी का परिक्षाफल अच्छा रहे।

आगामी बैठक 24 अप्रैल को मोहयाल भवन में रखी गई है, सभी से अनुरोध किया गया इसी तरह ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर सभा की शोभा बढ़ाए।

अनिल बख्शी *प्रधान* ***मुकेश दत्ता*** *ग्रीटिंग चेयरमैन*

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक श्री परवीन दत्ता के निवास स्थान 97, एम.एम.आई.जी ताजनगरी पर मोहयाल अध्यक्ष श्री ए.वी. मोहन (कर्नल) सेवानिवृत्त की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 30 भाई बहनों ने सहयोग दिया व अपने विचारों से सभा को सम्बोधित किया। जिसमें विशेष रूप से दिल्ली के श्री अमृत मोहन जी, पूर्व एडिटर मोहयाल सभा आगरा व श्री अशोक वैद ने भाग लिया व अपने विचारों से अवगत कराया। जिसमें श्री मोहन लाल शर्मा ने चारों वेदों एवं रामायण आदि के बारे में अपने विचार बताए। सभा का लगभग सारा समय उनके व्याख्यानों से चला।

उसके उपरान्त सचिव महोदय ने अपनी पिछले महीने की रिपोर्ट व लेखाजोखा आदि के बारे में सभा को बताया। कुछ सदस्यों द्वारा मासिक मोहयाल मित्र का न आना बताया। जिसको कि सचिव महोदय ने तत्काल दिल्ली कार्यालय को अवगत कराने का अश्वासन दिया।

सचिव महोदय ने जीएमएस द्वारा उनकी शादी की 40वीं वर्षगांठ पर शुभकामना सहित भेजे गए कार्ड की जानकारी दी व जीएमएस को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। सभा में उपस्थित सदस्यों द्वारा आगरा की भूमि पर मोहयाल भवन बनवाने हेतु अनुरोध किया गया व अपनी ओर से सहयोग देने की बात कही।

श्री अमृत मोहन जी ने मोहयाल सभा आगरा को 250 रुपए श्रीमती आशा मेहता ने अपने पति स्व. श्री कमलेश मेहता जी पूर्व आजीवन सचिव, मोहयाल सभा आगरा की याद में 500 रु. व श्रीमती सुमन दत्ता द्वारा अपने पौत्र रत्न प्राप्ति (श्री अथर्व अमित दत्ता) के अवसर पर 500 रुपए मोहयाल सभा आगरा को सधन्यवाद भेंट किए।

अन्त में सचिव द्वारा सभा में आए सभी भाई–बहिनों को मीटिंग में आने का धन्यवाद दिया व आगरा मोहयाल सभा के वार्षिक सदस्यता जमा करने का अनुरोध किया व श्री परवीन दत्ता जी व उनके परिवारों को मीटिंग में बुलाने का बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

अगली मीटिंग माह मई–जू में न होकर जुलाई माह के प्रथम रविवार को संरक्षक महोदय श्री कामरान जी दत्ता की माता जी के निवास स्थान 1–डिफेंस कालोनी, आगरा पर होने की जानकारी दी। सभा के अन्त में सभी भाई बहनों द्वारा गायत्री मंत्र, मोहयाल प्रार्थना व शांति पाठ का हमेशा की तरह पाठ किया व जय मोहयाल के नारों के साथ सभा समाप्त हुई।

एस.पी. दत्ता, *सचिव (मो.) 9897455755*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 3.04.2016 को सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में श्री जोगध्यान मेहता (लौ) के निवास स्थान गाँव सीवनमाजरा में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 10 भाई–बहिनों ने भाग लिया।

शादी की तीसवीं वर्षगांठः सभा के सेक्रेटरी श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर ने बताया कि उनकी व श्रीमती सुनीता कुमारी छिब्बर की शादी की 30वीं वर्षगांठ 19 अप्रैल 2016 को है, जिसे सुनकर सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी व दीर्घायु की कामना की। इस खुशी के उलक्ष्य में श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर ने 250 रुपए जीएमएस को और 250 रु. मोहयाल सभा बराड़ा को भेंट किए।

शोक समाचारः श्री करतार नाथ दत्ता पुत्र स्वर्गीय श्री लालचन्द्र दत्ता निवासी दोसड़का का निधन 14.03.2016 को और उठाला 24.03.2016 को चंडीगढ़ पैलेस साढौरा रोड हुआ। आए हुए सभी मोहयाल भाई–बहनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा व भगवान से प्रार्थना की और दत्ता परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करे। श्री करतार नाथ दत्ता का जन्म गाँव जोचक जिला गुजरांवाला में हुआ, जोकि अब पाकिस्तान में है। वे लगभग 75 वर्ष के थे। उनके पीछे चार पुत्र राजेश दत्ता, राजीव दत्ता, संजीव दत्ता व धर्मेन्द्र दत्ता व बहुएँ सीमा दत्ता, नीतू दत्ता, ज्योति दत्ता व कुलदीप दत्ता हैं व पोते–पोतियां हैं। दत्ता परिवार की तरफ से जी.एम.एस को 500 रुपए व मोहयाल सभा बराड़ा को 500 रुपए भेंट किए।

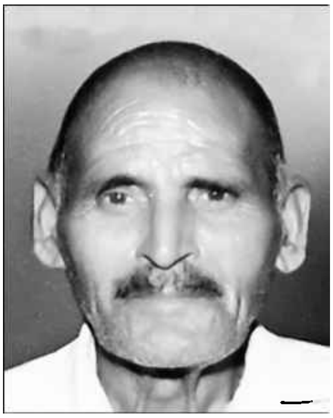

मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से आपको निवेदन है कि जिन भाई–बहनों को पिछले कई महीनों से मोहयाल मित्र नहीं मिल रही, उनकी हम लिस्ट बनाकर भेज रहे हैं, उनके पते सहित।

अंत में जलपान के लिए सभी सदस्यों ने श्री जोगध्यान मेहता का धन्यवाद किया।

रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

पानीपत

सभा की बैठक 9 अप्रैल 2016 को श्री राजन दत्ता जी के सावन पार्क स्थित निवास स्थान पर जीएमएस सदस्य श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल बक्शी एस.के. छिब्बर जी का गत दिवस निधन हो गया था। जीएमएस को इतनी अधिक ऊंचाइयों में पहुँचाने में उनका विशेष योगदान रहा।

वयोवृद्ध मोहयाल एवं शिक्षाविद् प्रोफेसर नरेन्दर वैद जी का गत दिनों पानीपत में निधन हो गया था। इसके बाद सभी सदस्यों ने एक दूसरे को विक्रमी संवत व नवरात्रों की शुभकामनाऐं दी।

सृष्टि दत्ता सुपुत्री श्री नरेंदर दत्ता जी ने 11वीं क्लास में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, परिवार को बधाई दी गई। ऋषभ दत्ता एवं राघव दत्ता सुपुत्र श्री राजन दत्ता ने सातवीं और पहली क्लास में ए वन ग्रेड प्राप्त किए, दत्ता परिवार को बधाई दी गई।

शिवि दत्ता सुपुत्री श्री रमन दत्ता ने क्लास 6 में ए वन ग्रेड पाया, परिवार को बधाई दी गई। तन्मय मोहन सुपुत्र श्री ऋत मोहन ने 11वीं क्लास में अच्छे नंबर से पास की, मोहन परिवार को बधाई दी गई। वरदान सुपुत्र श्री ब्रिज मोहन छिब्बर ने 9वीं क्लास अच्छे अंकों से पास की, परिवार को बधाई दी गई।

हिमांशी छिब्बर सुपुत्री श्री जितेंदर छिब्बर को भी अच्छे अंक लाने पर बधाई दी गई। प्रधान कैलाश जी की धर्मपत्नी श्रीमती पूनम वैद जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। वयोवृद्ध मोहयाल श्री कुलवंत सिंह दत्ता जी के भी शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

अधिकांश सदस्यों ने मोहयाल मित्र न मिलने की शिकायत की। अंत में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन हुई। जलपान की व्यवस्था व मीटिंग के लिए श्रीमती वंदना दत्ता व श्री राजन दत्ता जी का धन्यवाद किया गया।

नरिंदर छिब्बर, *सचिव (मो.) 09416412184, 08222023131*

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 03.04.2016 को प्रधान श्री शेरजंग बाली की अध्यक्षता में श्री रवि दत्ता के निवास स्थान आर जेड 11, गौशाला कॉलोनी, कमला पार्क, नजफगढ़ नई दिल्ली में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 14 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शोक समाचारः श्री तिलक राज बाली का निधन 23 मार्च को अहमदाबाद में हुआ। वह ले.कर्नल बी.के एल छिब्बर (से.नि.) के बुआ जी के बेटे थे। सभी सदस्यों ने श्री तिलकराज बाली की आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की व परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रगट की।

शुभ समाचारः प्रधान जी ने सूचित किया कि श्री हर्ष दत्ता सचिव कि सुपुत्री कु. खुशी का शुभ विवाह 20 अप्रैल 2016 को होना निश्चित हुआ है। सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।

प्रधान जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य आए ताकि बिरादरी में मेल जोल बना रहे। चर्चा के लिए खास मुद्दा न होने के कारण बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। अन्त में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री रवि दत्ता को धन्यवाद दिया।

अगली मीटिंग 1 मई 2016 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान, दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़, नई दिल्ली में होगी।

शेरजंगी, *प्रधान* — *मो.: 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

अंबाला कैंट

दिनांक 03.04.2016 दयालबाग पर 12 सदस्यों सहित श्री आई.आर. छिब्बर जी की अध्यक्षता में, मोहयाल प्रार्थना गायत्री मंत्र के साथ सभा की बैठक का शुभारंभ हुआ।

स्वास्थ्य कामनाः श्री एम.के वैद जो अस्वस्थ चल रहे हैं उनके शीघ्र तंदरूस्त होने की कामना की गई।

स्वागतः सभा में नये सदस्य श्री प्रशांत बक्शी (लव) का प्रधान जी तथा सदस्यों ने जय मोहयाल के नारों से स्वागत किया। प्रधान जी ने उनकी सदस्यता मंजूर की तथा सभा के कायदे-नियमों से अवगत कराया। साथ ही उन्हें हर मीटिंग में उपस्थित रहने के लिए प्रेरित किया। महासचिव ने पिछले मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

प्रस्तावः (क) श्रीमती कंचन छिब्बर निवासी 59 कबीर नगर अंबाला कैंट की कुछ दिन पहले पेट की सर्जरी हुई है वह एक विधवा, असहाय होने के कारण अपनी दवाइयां व इलाज के लिए जीएमएस तथा लोकल सभा से आर्थिक सहायती की मांग की पर लोकल सभा ने तुरंत 3100 रुपए सहायता देने का प्रस्ताव पास किया जो कि 4.04.2016 को श्रीमती कंचन छिब्बर के निवास पर जाकर भेंट किया। यह भी अश्वासन दिया कि जीएमएस को भी आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया जाएगा।

(ख) लोकल सभा की पिकनिक निर्धारित तिथि 20.03.2016 को पटेल पार्क में होली के उपलक्ष्य में मनाई गई, जिसमें लगभग 18 परिवारों ने 70 सदस्यों/बच्चों ने भाग लिया। प्रधान जी ने होली के रंगों तथा मिठाई के साथ सबका स्वागत किया तथा होली की मुबारक दी। जय मोहयाल के नारों के साथ पटेल पार्क की कैंटीन के प्रांगन में चाय-नाश्ते कोल्ड ड्रिंकस आदि के बाद ही बच्चों ने झूलों व फिस्लपट्टी आदि का आनंद उठाया। दोपहर 12 बजे तंबोला की चार गेम खेली गई। तंबाला के इंचार्ज श्री दीपक दत्ता तथा एचएफओ एमएल दत्ता जी पूरे परिवारों, बच्चों का मनोरंजन किया। सबने भरपूर मज़ा उठाया तुरंत बाद बच्चों की रेस, लेडीज़ द्वारा स्पून-लैमन रेस। उसके बाद समान्य ज्ञान के 12 प्रश्न पूछे गए, जिसमें कु. रिया वैद प्रथम व मा. उज्जवल दत्ता द्वितीय रहे। 2:30 बजे सब कैंटीन पर इकट्ठे हुए तथा स्वादिष्ट लंच का आनंद तथा चाय का मज़ा लिया। अंत में लेडीज़ चेयर रेस भी हुई, तथा प्रधान जी ने विजेताओं को पुरस्कार देकर हौसला बढ़ाई की।

इस पिकनिक पर हुए खर्च का ब्यौरा श्री धर्मेन्द्र वैद ने दिया तथा प्रस्ताव पास कर मजूंरी दी गई।

प्रधान जी ने एक बार फिर एतराज प्रकट किया कि सदस्य मीटिंग में कम आते हैं जो कोई न कोई बहाना बना लेते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभा केवल नाम से नहीं चलती, बल्कि मीटिंगों में लगातार भाग लेने व निरंतर योगदान, सुझाव व सुचारू रूप से आर्थिक सहायता से चलती है न कि केवल हवा में तीर मारने से।

दान राशिः श्री आई.आर छिब्बर 500 रु. श्री एम.एल. दत्ता 500 रु. श्री डी.वी बाली 200 रुपए, श्री धर्मेन्द्र वैद 200 रु., श्री नरेश वैद 200 रुपए, सभा को भेंट दिए। श्री प्रशांत बक्शी (लव) ने 200 लोकल सभा वार्षिक सदस्यता के उपलक्ष में दिए। प्रधान जी ने सभा सदस्यों का धन्यवाद किया तथा अगली मीटिंग 12, अग्रवाल कांपलैक्स में होगी। जया मोहयाल के नारों के साथ सभा संपन्न हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* — *मो.: 9416464488*

एचएफओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव* — *मो. 9896102843*

अबोहर (पंजाब)

मोहयाल सभा अबोहर की मासिक बैठक सभा के चीफ पैटरन मैहता श्री कृष्ण कुमार भीमवाल जी के निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा में दिनांक 13.03.2016 को सम्पन्न हुई। रायज़ादा बलदेव राज बाली जी सीनियर वाईस प्रैजिडेंट मोहयाल सभा अबोहर की अध्यक्षता में हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात सभी सदस्यों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी गई। श्री बलदेव राज बाली जी को अपने निवास स्थान गाँ एक-वी तं. केसरी सिंहपुर, जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान में नई कोठी का निर्माण आरम्भ होने पर सभी सदस्यों ने बधाई दी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभा अबोहर के कोषाध्यक्ष मैहता श्री महावीर भीमवाल जी को भी उनके निवास स्थान गाँव सिरदारपुरा जविन जि. श्रीगंगानगर राजस्थान में कोठी सम्पूर्ण होने पर बधाई दी सभी सदस्यों ने। कुछ सदस्यों ने मोहयाल मित्र न मिलने पर सूचित किया।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। सभा के सभी सदस्यों ने जलपान की व्यवस्था के लिए भीमवाल परिवार का बहुत–बहुत धन्यवाद किया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

मोहयाल मोहयालियत और इतिहास-3

पंजाब में वैद मोहयाल राज

पूर्व कथाः रेगिस्तान से निकल कर अरब मुस्लिम शक्ति को लगभग आधी दुनिया को जीतने में कुछ दशक ही लगे। परन्तु ईरान से दर्रा खैबर तक पहुँचने में उनको 300 से भी अधिक वर्ष (640–1000 ई) लग गए। दक्षिण अफगानिस्तान में राज कर रहे दो हिन्दू राज्य मुस्लिम शक्ति का सतत प्रतिरोध करने में सफल रहे। लगभग 840 से 960 ई. तक दत्त मोहयाल जाति के पूर्वज–सामन्तदेव, कमलवर्मन और भीमदेव–काबुल पर शक्ति और गौरव से राज करते रहे। अब हम पंजाब में वैद मोहयाल जाति के पूर्वजों के राज का वर्णन करेंगें।

आपको आश्चर्य होगा कि इतिहास की पुस्तकों में महमूद गज़नवी के आक्रमणों से पूर्व की दो शताब्दियों से संबन्धित पंजाब और (अफगानिस्तान) के राजनैतिक इतिहास का कदाचित कोई वर्णन नहीं है। इतने लंबे समय तक वहां कौर राज करता रहा? भारत पर राज करने वाले विदेशी शासकों ने इस अवधि में अपनी लज्जाजनक विफलता और हिन्दुओं की गौरवशाली सफलता पर पूरी तरह पर्दा डाल कर रखा।

ईस्वी संवत की आरम्भिक शताब्दियों में पंजाब पर अफ़गानिस्तान, कश्मीर, मध्यभारत, सिंध आदि के शासक जब भी शक्तिशाली रहे, पंजाब के कई भागों पर अपना शासन अथवा प्रभुत्व स्थापित करने में सफल हुए। इस अराजकता के मध्य में, नवीं शताब्दी के आरम्भ में, सरहिंद से उठ कर एक योद्धा ब्राह्मण बचनपाल ने पंजाब पर अपना शासन जमाना आरम्भ कर दिया। 866 ई. में उसके देहांतोपरांत उसके पुत्र राजा रणसिंह और फिर 891 ई से उसके पौत्र राजा वीरसिंह ने पंजाब पर शासन किया। 936 ई. में वीरसिंह के निधन पर उसका इकलौता बेटा और युवराज महाराजा पृथ्वीपाल पंजाब के राजसिंहासन पर सुशोभित हुआ। आज की वैद मोहयाल जाति उस राजवंश की संतति है। मोहयाल इतिहास *(गुलशने मो याली)*।

भारत से यूरोप और पश्चिम–एशिया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पंजाब और काबुल के मार्ग से जाता था। उस पर करारोपण से इन दोनों राज्यों को बहुत धन प्राप्ति होती थी। यह दोनों राज्य आपस में मित्रता और सामंजस्य रख कर सुशासन और शान्ति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुरक्षा और प्रोत्साहन प्रदान करते थे। सतलुज नदी से सिंध नदी तक का भू–भाग पंजाब और उसके आगे काबुल का राज्य था। भारत और चीन से आने वाले व्यापार का काबुल महत्वपूर्ण केंद्र था।

काबुल के दत्त राजवंश के तीसरे राजा भीमदेव का कोई बेटा नहीं था। अन्य कई संतों और सामंतों की मान्यताओं के अनुरूप वृद्धावस्था में भीमदेव ने भी स्वेच्छा से प्राण त्याग कर अपने आप को भगवान शिव को अर्पण कर दिया। उस समय उसकी राजसत्ता उस क्षेत्र में चरमोतकर्ष पर थी और पड़ोस से किसी शत्रु से उसे भय नहीं था। (जयपाल के समय की हुण्ड पटिया शिलालेख–पद्य पंक्ति iii, vii और xi: *अफगानिस्तान रीविजिटिड...* पृ 170–172) मंत्रीगण तथा सामंतों की सम्मति से काबुल राज्य का पंजाब में विलय हो गया। पड़ोस के किसी मुस्लिम या हिन्दू राज्य की ओर से किसी प्रकार का कोई आक्रोश नहीं हुआ। उस समय पंजाब में पृथ्वीपाल का शासन था, परन्तु एक ही वर्ष में उसका देहांत ही जाने पर उसका पुत्र जयपालदेव "सरहिंद से काबुल तक लंबे और मुल्तान से कश्मीर तक चौड़े" *(इतिहासकार–फ़रिश्ता)* विस्तृत क्षेत्र का सार्वभौम स्वामी हो गया। अपने पैतृक पंजाब राज्य का संचालन अपने पुत्र आनंदपाल को सौंपकर वह स्वयं अफ़गानिस्तान में काबुल क्षेत्र का शासन अपनी राजधानी उद्धांडपुरा (वहिंड) से करने लगा। यह नगर अट्टक से चौदह मील ऊपर सिंध नदी के दायीं ओर स्थित था। जयपाल राज्य के समय की बारीकोट शिलालेख *(अफगानिस्तान रीविजिटिड...* पृ 108–109) में उसको "परम भट्टारक, महाराजधिराज, परमेश्वर श्री जयपालदेव" कहा गया है। भीमदेव की भी यही उपाधियाँ थीं।

जयपाल ने कुछ समय तक अफ़गानिस्तान में शांति से राज किया। पड़ोस में ग़ज़नी में एक तुर्क शक्ति उभर रही थी। वहां के सुल्तान सबुकतिगीन ने कई छोटे बड़े मुस्लिम राज्यों के प्रदेश छीन कर अपनी सत्ता बहुत बढ़ा ली थी। काबुल के हिन्दू राज्य से भी संघर्ष होना ही था। जयपाल ने तुर्की को पीछे धकेलने और समस्या का सदैव के लिए समाधान करने का निश्चय किया। उसने दो बार गज़नी पर आक्रमण किया पर अपने ध्येय में सफल न हुआ। प्रत्याक्रमण में दर्रा खयबर पार का अफ़गानिस्तान का भाग हिन्दू भारत के हाथ से निकल गया। ग़ज़नवी राज्य की शक्ति अब और भी बढ़ चुकी थी। 17 नवंबर 1001 ई. को पेशावर के समीप सबुकतिगीन के बेटे महमूद गज़नवी से जयपाल पराजित हुआ। (महमूद के इतिहासकार "उतबी" द्वारा लिखित *'किताब–अल–यामनी'* पर आधारित)

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पंजाब में राज कर रहे जयपाल के उत्तराधिकी–उसका पुत्र आनंदपाल (1008 ई.), पौत्र त्रिलोचनपाल (1014 ई) और प्रपौत्र भीमपाल (1021 ई.) महमूद गज़नवी को रोकने के लिए उससे युद्ध करते रहे। आगे का यह इतिहास पाठ्य पुस्तकों में उपलब्ध है यद्यपि यह विजेता का ही विकृत और पक्षपातपूर्ण मत है। इन वैद राजाओं का संक्षिप्त इतिहास हमने 'इंटरनेट' पर भी डाला है। उसके लिए enter-Pre-Ghaznavid History of Punjab in GOOGLE SEARCH. या फिर यह क्लिक करें htt:// en.wikipedia.org/wiki/Pre-Ghaznavid_History_of_Punjab

विस्तृत विवरण के लिए हमारी पुस्तक AFGHANISTAN REVISITED... मात्र एक सौ रुपए में जी.एम.ए के कार्यालय से उपलब्ध हैं।

समीक्षा– गज़नवी की बढ़ती शक्ति को कुचलने के लिए जयपाल ने आगे बढ़कर वहां दो बार आक्रमण किया। इसके विपरीत हम भारत में हिन्दू राज्यों को आक्रमणकारियों से अपने बचाव के लिए केवल सुरक्षात्मक युद्ध करते देखते हैं। जयपाल के समान उनमें आक्रमण भावना नहीं थी। इसी प्रकार जयपाल के उत्तराधिकारी पराजय के पश्चात भी सतत संघर्ष करते रहे, परन्तु जब पंजाब से मोहयाल प्रतिरोध का बांध टूट गया तो महमूद ग़ज़नवी हर ओर लूट पाट करने लगा। गज़नी राजवंश पंजाब पर लगभग 150 वर्ष (1021–1176) राज करता रहा परन्तु किसी हिन्दू राजा ने उनको वहां से हटाने का प्रयत्न नहीं किया। अपने 200 वर्ष के शासन के दौरान मोहयाल राजा केवल उत्तर से मुस्लिम आक्रमणकारियों को रोकने में रत रहे। इतनी लम्बी अवधि में कश्मीर या कन्नौज (प्रतिहार राज्य) जैसे किसी पड़ोसी राज्य से उनका कोई संघर्ष नहीं हुआ। पश्चिमोत्तर सीमा से मोहयालों ने देश को जो सुरक्षा कवच प्रदान किया, उसके कारण भारत शांति और समृद्धि का उपभोग कर सका। फलस्वरूप देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से भी लाभप्रद हुआ। देश को इसके लिए इन मोहयाल शासकों का आभारी होना चाहिए। मोहयालों को इन पूर्वजों पर गर्व है।

नोटः मोहयाल इतिहास संबंधी इन लेखों को पढ़कर पाठकों के मन में कुछ प्रश्न, शंका या सुझाव होंगे, आप निःसंकोच मोहयाल मित्र द्वारा या सीधे लेखक से सम्पर्क कर सकते हैं।

2. इन लेखों की उत्साहवर्धक सराहना के लिए धन्यवाद। पाठकों में मोहयाल इतिहास के लिए बहुत रुचि है, जो प्रश्न प्राप्त हो रहे हैं उनके उत्तर श्रृंखला के अंत में दिए जायेंगे।

3. आप इस श्रृंखला के लेखों को निकाल कर पुस्तिका के रूप में एकत्रित करते जाएँ।

–**आर.टी मोहन** *(पंचकूला) मो. 09464544728*
E-mail: rtmwrite@yahoo.co.in

अंतिम यात्रा

श्रीमती राज मेहता का निधन

स्वर्गीय श्रीमती राज मेहता का निधन दिनांक 4.04.2016 को नवीं मुंबई में हो गया। उनकी रस्म पगड़ी 7 अप्रैल 2016 को नवीं मुंबई के गुरूद्वारे में शाम 5 बजे संपन्न हुई। सभी मोहयाल बिरादरी, मित्रगण व परिवार के सदस्य तथा रिश्तेदार जो दिल्ली से पहुँचे थे सभी एकत्रित हुए।

उनके परिवार में बेटा महेश बहू मीनू पोता रोनक, प्रनव व पोती अग्रिमा हैं। उनकी तीन बेटियां सुनीता, गीता व शम्मी हैं। राज मेहता बहुत ही ध ार्मिक व उच्च विचारों वाली महिला थी। सुना था समय बड़ा बलवान होता है आज मैं महसूस कर पाई हूँ, माता–पिता के न होने पर ऐसा लगता है कि अब कुछ नहीं रहा, परन्तु भगवान की आवाज आ रही कि उन दोनों की परछाई अब भी साथ है, सिर्फ उसे महसूस करना है। हम भाई–बहन गर्व करते हैं कि हमारे मां बाप ने हमारा पालन–पोषण इस सुंदर ढंग से किया है जो शब्दों में लिखना मुश्किल है।

"न मिलेंगे आप अब, फिर भी मानता नहीं दिल
चाहत आपको देखने की हम भगाते रहे।
जब खो दिया तब हमने जाना सच्चे मोतियों
का हार जो आप लुटाते रहे!"

आपकी की यादों के सहारे आपकी बेटी–***सुनीता दत्ता***

मैहता मदनलाल दत्ता का निधन

मैहता मदनलाल दत्ता का निधन 30 मार्च 2016 को हो गया। इनक जन्म माता श्रीमती घोलाबाई, पिता स्व श्री मालकचंद दत्ता के घर कोटसारंगढ़ुर, तहसील तलागंग जिला कैमलपुर पाकिस्तान में हुआ। विभाजन के बाद दत्ता परिवार फिरोजपुर में बस गया इन की दो पुत्रीयां और तीन पुत्र थे। बड़ी पुत्री कृष्णा का विवाह मेहता रामलाल से हुआ जो कि फिरोजपुर छावनी की नगर पालिका कमेटी के तीन बार निर्वाचित सदस्य रहे, छोटी पुत्री मोतियांरानी का विवाह मेहता सूरज प्रकाश छिब्बर से

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

हुआ जो कि पंजाब पुलिस में थे। पुत्र नानकचंद दत्ता जो कि रेलवे विभाग में थे उनका विवाह वीरावाली (बाली) से हुआ, मदनलाल दत्ता जो कि आर्मी में थे उनका विवाह कमलेश कुमारी (मोहन) से और सबसे छोटे पुत्र नंदलाल का विवाह राजकुमारी (मोहन) से हुआ था।

आर्मी से रिटायर्ड होने के बाद दत्ता जी कुछ समय तलवाडा पंजाब मं रहे यहां पर हैप्पी रेडियों के नाम से दुकान करने के पश्चात विदेश चले गए, वहां से लौटने पर फिरोजपुर छावनी में आर्मी कैंटीन का ठेका ले लिया साथ में आर्मी की खाद्य सामग्री का ठेका लेकर अपने पुत्रों को जिम्मेदारी सौंप दी। गतवर्ष पूर्व–पत्नी के निधन से उन्हें सदमा लगा और बिमार रहने लगे। दत्ता जी अपने पीछे पुत्र राजेश दत्ता–पुत्रवधू अनीता दत्ता पौत्र कशिश दत्ता, आकाश दत्ता। पुत्र संजय दत्ता–पुत्रवधू योजना दत्ता पौत्र हर्ष दत्ता, पौत्री पलक दत्ता। पुत्री अर्चना वैद दामाद सुरेश वैद गाजियाबाद, दोती वीनस, दोता राहुल वैद छोड़ गए। दत्ता जी मिलनसार थे उन्होंने बिरादरी में आपसी भाई–चारा बना रहे इसके लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

उनका चौथा (उठाला) 2 अप्रैल 2016 को शीतला मंदिर, फिरोजपुर में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में मित्रगण, सगे संबंधी उपस्थित हुए। सभी ने दत्ता जी के व्यक्तित्व को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। दत्ता परिवार ने मोहयाल मित्र को दो सौ रुपए भेंट किए।*–**अशोक दत्ता,** सचिव एमएस जलंधर, मो. 9779890717*

श्रीमती कमला मेहता की छठी बरसी

हमारी पूज्यनीय माता जी श्रीमती कमला मेहता का निधन दिनांक 01.04.2010 को हुआ था। उनकी छठी बरसी पर उनके परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। हमारी पूज्यनीय माताजी बहुत ही धार्मिक, सहनशील व पतिव्रता महिला थी। उनके आदर्श आज भी हमारे पूरे परिवार के प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनकी याद में समस्त परिवार की तरफ से जी.एम.एस व मोहयाल सभा वेस्ट ज़ोन प्रत्येक 250–250 रुपए भेंट किए।–***सुरेश कुमार मेहता*** *मो. 9211373712*

श्री सतपाल मेहता जी को श्रद्धांजलि

हमारे पूज्य पिताजी डॉ. श्री सतपाल मेहता जी की द्वितीय पुण्यतिथि के मौके पर उनके परिवारजनों द्वारा वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में यज्ञ का आयोजन करवाया गया। यज्ञ में उनके पुत्र, पुत्रवधुएं, पुत्री–दामाद, नाती–पोतों के अलावा उनके छोटे भाई श्री अशोक कुमार मेहता, और बहनें श्रीमती शारदा दत्ता और श्रीमती चंचल छिब्बर भी सम्मिलित हुए। डॉ मेहता चौहा शेहदन शाह, चकवाल (पाकिस्तान) स्थित मेहता शमशेर बहादुर मोहन के सुपुत्र थे। यज्ञ का आयोजन डॉ. मेहता की धर्मपत्नी डॉ. श्रीमती सुदर्शन मेहता की देख रेख में हुआ। उन्होंने सतपाल मेहता जी की स्मृति में जीएमएस को

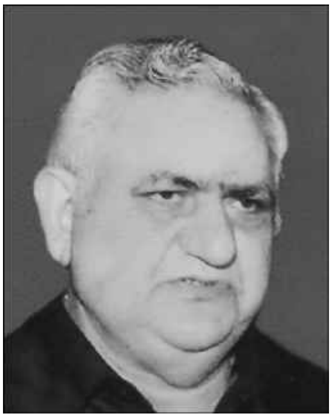

1100 रुपए, और मोहयाल सभा वेस्ट ज़ोन को 500 रुपए भेंट किए।

हवन के बाद मेहता परिवार द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी नाती–पोतों (और पौत्रियों) ने प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरण किया। अपने प्यारे दादाजी की स्मृति में पौत्र चि. शशांक मेहता (उम्र 13 वर्ष) ने भावभीनी श्रद्धांजलि के रूप में एक कविता लिखी है, जिसे मोहयाल मित्र के माध्यम से सबसे साझा कर रहे हैं। सदैव आशा रहेगी कि डॉ. सतपाल मेहता जैसे धर्मनिष्ठा आत्मा के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास सफल होता रहे।

"जुड़े थे दिल के तार तुमसे,
बेइंतेहा मोहब्बत थी
सबसे ज्यादा प्यार था तुमसे
कहानी सुनने की आदत थी।

छोटा सा था, जब दादा बोलना सीखा
शब्द का महत्व आज पता चला
बीत गए हैं कई दिन पर
आपकी यादों से दिल आज भी है भरा।"

श्रद्धांजलि

स्वर्गीय श्री कृष्णलाल दत्ता जी यमुनानगर (दामू चक्क पाक) की पत्नी श्रीमती कान्ता दत्ता उनके नाम पर पहले से चल रहे ट्रस्ट में पाँच हजार रुपए का योगदान कर रही हैं। उनके साथ उनकी पुत्रियां मंजू पति श्री रंजीत बक्शी बेटी हिना के साथ दूसरी बेटी किरण पति श्री संदीप वैद व बेटे अद्वितीय के साथ अपने पापा की मधुर स्मृति में।–*वंदना वैद, कुरुक्षेत्र*

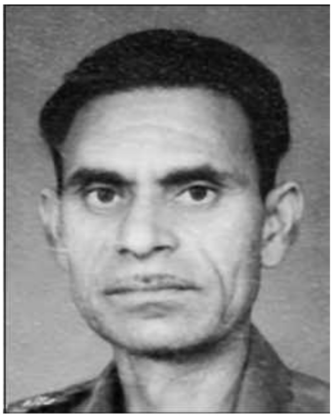

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पुण्यतिथि

मैं सरिता रानी छिब्बर (यमुनानगर) हरियाणा अपने पिता स्व. मेहता कस्तूरी लाल दत्ता जी निवासी जे–11/43, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली की पुण्यतिथि 10 जून एवं माताजी स्व. श्रीमती विमला दत्ता की पुण्यतिथि 26 नवंबर के अवसर पर लंगर फंड मोहयाल आश्रम के लिए 22000 रुपए दान स्वरूप भेंट कर रही हूँ। अतः इससे स्वीकार कर कृतार्थ करें।

मेरी माताजी एक कुशल ग्रहणी थी, उन्होंने अपने बच्चों को उचित शिक्षा देकर पालन–पोषण किया वह ईश्वर में उनकी अटूट आस्था थी। पिताजी एक सौहादपूर्ण व्यक्तित्व के व्यक्ति थे। दोनों ने मिलकर कई परिवारों को आपस में जोड़कर रखा था। उन्होंने अपने जीवन में बहुत उतार–चढाव देखे, परन्तु अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं किया और सदैव दूसरों की मदद करते रहें। मेरे पिता श्री को पठन–पाठन का बहुत शौक था। वह एक संगीत प्रेमी भी थे। मैंने अपने जीवनकाल में उनसे बहुत कुछ सीखा है। ईश्वर उन्हें स्वर्ग में सदा स्थान दें।

श्रीमती सरिता रानी छिब्बर, *यमुनानगर (हरियाणा)*

दिया और बाती

अक्सर हम शाम होने पर कहते हैं कि दिया जलाओ अंधरे को दूर करने के लिए। क्या आपने कभी सोचा है कि वास्तव में दिया जलता है क्या? नहीं, मेरे विचार से तो दिये में रखी बत्ती जलती है और चारों तरफ उजाला फैलाती है, ताकि हम सब अंधेरे को दूर भगा सके।

दिया तो मिट्टी या किस धातु का बना हुआ बर्तन है, उसे हम अगर माचिस से जलाना चाहें तो नहीं जला सकते। मेरे विचार से दिया एक पुल्लिंग शब्द है। वह तो सिर्फ अपनी क्षमतानुसार उसमें रख गए तेल और बात्ती को संजोकर रखता है।

यदि ये कहें कि दिये में रखा गया तेल जलता है तो ये भी गलत है, बिना बात्ती के तेल को माचिस दिखाने पर वह माचिस को ही बुझा देता है।

सही मायने में जलती तो बात्ती ही है और प्रकाश देती है, परन्तु हम हमेशा महत्व दिये को ही देते हैं। मेरे विचार से बात्ती एक स्त्रीलिंग शब्द है। हमारे आज के समाज में स्त्री की दशा करीब–करीब बात्ती जैसी ही है। परिवार के सभी प्रकार के दुःखों को झेलती है परन्तु उसे वो सम्मानन या प्रतिष्ठा नहीं मिलता जिसकी वह हकदार है। परिवार में कुछ भी गलत होने पर उसे ही दोषी माना जाता है और कुछ अच्छा होने पर पूरा का पूरा श्रेय पुरूषों के हिस्से में आता है। रोजमर्रा की छोटी–छोटी बातों के लिए उसे जिम्मेवार ठहराया जाता है– जैसे परिवार के बच्चे खेल–खेल में गिर पड़े और उन्हें चोट आ गयी तो माँ को कहा जायेगा बच्चों का ख्याल नहीं रखती। अगर उसने बच्चों को खेलने नहीं जाने दिया तो कहा जायेगा दिन भर घर में बैठे रहेंगे तो उनका शारीरिक विकास कैसे होगा, और अगर बच्चा किसी प्रतियोगिता में अव्वल आया तो कहा जायेगा की आखिर है तो मेरी औलाद। उस समय स्त्री को महत्व नहीं दिया जायेगा। ऐसे अनेक उदाहरण है, जिन्हें देखकर, सुनकर बहुत दुःख होता है।

हम यह क्यों नहीं स्वीकार करते कि पुरूष स्त्री के बिना अधूरा हैं अगर स्त्री न होती तो क्या पुरुष होता, नहीं इसीलिए उसे भी उतना ही अधिकार है और उसे उतना ही सम्मान मिलना चाहिए जितना पुरूषों को।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मेरे अपने विचार हो सकता है, आप सहमत न हो, परन्तु इस बात पर एक बार सोच कर देखें। महिलाओं के सम्मान में एक छोटा सा प्रयास।

प्रदीप कुमार छिब्बर, *जगाधरी (हरियाणा) मो. 7206402640*

सब से अच्छी और बुरी

सब से अच्छी है हमेशा
खुश रहने की आदत,
और बुरी सब से ज्यादा है,
दोष देखते रहने की।।

अहोभाग्य हैं उनके जिनका,
ध्यान गुणों पर रहता है,
बातें करने वाले जो,
उत्साह बढ़ाने की...

'नमन' कठिन है कदम मिलाकर,
चलना उनके साथ,
जिनको रहती इससे–उससे
सदा शिकायत ही।

अहंभाव में डूबे जन को,
याद नहीं रहती है बात,
समय पर शब्दों के द्वारा,
आभार जताने की...

किन बातों से प्रेरित है सौंदर्य बोध अपना,
होता हूँ अभिभूत सदा मैं छवि से विकसित मन वालों की...

पूरनचंद बाली 'नमन' *(मो.) 7045208241*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मदरस डे (माँ)

1. माँ–माँ कहा मगर यह सच है,
   माँ का अब कोई नाम कहाँ है?
   चाहि एक पालने वाली,
   वरना माँ का काम कहाँ है।

2. देश वही है जहाँ 'माँ माँ थी,
   कैकेयी हो या कौशल्या,
   धरती माँ हो गौ माता हो,
   या हो अपनी गंगा मईया,

3. वासुदेव पिता थे जिनके,
   जन्म दिया देवकी माँ ने,
   पर बाबा तो नंद बाबा थे,
   और कान्हा की जसुमति मैय्या।

4. अब तो माँ बस इक दिन की है,
   दुकानों में बसती है,
   मदर–डे के कार्डों में है,
   महंगी है या सस्ती है।

5. ज़रा बुढ़ापा आने पर,
   बच्चों पर भारी होती है,
   ओल्ड–होम पहुँचाने की,
   तब तैयारी होती है।

6. माँ तो अब माँ कहाँ रही?
   वह तो 'मम्मी' कहलाती है,
   शीशे के ताबूतों में सजी,
   टिकटों पर देखी जाती हैं।

7. इतना अपमान हुआ इस शब्द का,
   सोच के लज्जा आती है,
   कितनी लाचार बेबस है वह,
   जो जग–जननी कहलाती है।

8. कोई तो खुद को पहचाने,
   विद्रोह का परचम फहराए,
   माँ कहलाने का मोह त्याग,
   नारी जाति का मान बढाए।

9. कह दें मेरा अस्तित्व है कुछ,
   इसको न कभी गंवाउँगी,
   खाती हूँ कसम ममता की मैं,
   मैं 'माँ' ही नहीं कहाऊँगी। इति

प्रमोद दत्ता, *1171 सैक्टर–7, पंचकुला, हरियाणा*
मो. 09464837364, 0172–2596623

किसको पता हैं जिन्दगी के ठोर का

इस खला में फना का इक़ समुन्दर हैं,
जहां उम्र की किश्ती चलती हैं,
ना आरे हैं ना पारे हैं, ना मझदार में यह पड़ती है।

कोई मौसम की साजिश हो, चाहे ओलों की बारिश हो,
यह ना राहों में भटकती हैं, ना तुफानों से डरती हैं।

गर्मी हो या सर्दी हो, अन्धेरा हो या सवेरा हों,
ना मोहब्बत से कोई रिश्ता, ना गम उसको जुदाई का।

वो ना कब्रों में सोती हैं, ना चिताओं में जलती हैं,
कहाँ ढूंढें कहाँ पाए खड़ा "बक्शी" चौराहे पर।

आज तक किसी ने यह बताया नहीं कि गाड़ी कहाँ बदलती हैं।

वजीरचन्द बक्शी

ज़िदगी

सोचता यह ही हूँ, कि ज़िन्दगी है,
जो जन्म लेता है, जाना उसे पड़ता है,
बस थोड़ी देर और मेरे साथ रुकते,
इसी बात पर मन भगवान से लड़ता है।

भुलायेंगे न आपके आदर्श
न आपको भुला पाएंगे,
दादाजी आपकी याद में,
पीढ़ी दर पीढ़ी रोज़ मिठाई लायेंगे।

मीनाक्षी मेहता– *08800296339*
डॉ. सुदर्शन मेहता– *08800296352*

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।
- मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दु:ख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यो और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल 200 रु. हैं

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor